# बच्चों को अनुशासित करने और अपने माता-पिता का आदर करने का महत्व

लड़के को उसी मार्ग की शिक्षा दे
जिस पर उसको चलना चाहिए,
और वह बुढ़ापे में भी उस से
न हटेगा। नीतिवचन 22:6

**माता-पिता के लिए**
देखो, बच्चे प्रभु की विरासत हैं: और गर्भ का फल उसका प्रतिफल है। भजन संहिता 127:3
जो अपनी छड़ी को छोड़ देता है वह अपने बेटे से घृणा करता है: परन्तु जो उससे प्रेम रखता है, वह उसे समय पर ताड़ना करता है। नीतिवचन 13:24
यहोवा के भय मानने से दृढ़ भरोसा होता है: और उसके बच्चों को शरणस्थान मिलता है। नीतिवचन 14:26
जब तक आशा है तब तक अपने बेटे को ताड़ना करो, और उसके रोने पर प्राण न छोड़ो। नीतिवचन 19:18
मूढ़ता बालक के मन में बन्धी रहती है, परन्तु ताड़ना की छड़ी उसे उस से दूर कर देती है। नीतिवचन 22:15
लड़के को ताड़ना देना न छोड़ो: क्योंकि यदि तू उसे छड़ी से मारे, तो वह न मरेगा। तू उसे छड़ी से मार, और उसके प्राण को अधोलोक से बचाएगा। नीतिवचन 23:13-14 छड़ी और डांट से बुद्धि मिलती है, परन्तु जो लड़का अपने आप पर छोड़ दिया जाता है, वह अपनी माता को लज्जित करता है। नीतिवचन 29:15
अपने बेटे को ताड़ना कर, तब वह तुझे शान्ति देगा, और तेरे मन को आनन्द देगा। नीतिवचन 29:17
तेरे सब बच्चे यहोवा के सिखलाए हुए होंगे, और उनको बड़ी शान्ति मिलेगी। यशायाह 54:13

जो अपने बेटे से प्रेम रखता है, वह उसे बार-बार छड़ी महसूस कराता है, ताकि अंत में उसे उससे खुशी मिले। जो अपने बेटे को ताड़ना करता है, वह उससे खुश होगा, और अपने परिचितों के बीच उससे खुश होगा। जो अपने बेटे को सिखाता है, वह शत्रु को दुखी करता है: और अपने मित्रों के सामने वह उससे खुश होगा। यद्यपि उसका पिता मर जाता है, फिर भी वह ऐसा है मानो मरा नहीं: क्योंकि वह अपने पीछे एक ऐसा व्यक्ति छोड़ गया है जो उसके जैसा है। जब तक वह जीवित था, उसने उसे देखा और उसमें खुश था: और जब वह मर गया, तो उसे कोई दुख नहीं हुआ। उसने अपने पीछे अपने शत्रुओं से बदला लेनेवाला, और अपने मित्रों पर दया करनेवाला एक व्यक्ति छोड़ दिया है। जो अपने बेटे को बहुत अधिक महत्व देता है, वह उसके घावों को बाँधेगा; और हर रोने पर उसकी अंतड़ियाँ परेशान होंगी। एक घोड़ा जो टूटा नहीं है, वह हठी हो जाता है: और एक बच्चा जो अपने आप पर छोड़ दिया जाता है, वह हठी हो जाता है। अपने बच्चे को बिगाड़ो, और वह तुम्हें डराएगा: उसके साथ खेलो, और वह तुम्हें उदास कर देगा। उसके साथ मत हंसो, कहीं ऐसा न हो कि तुम उसके साथ दुखी हो जाओ, और कहीं ऐसा न हो कि तुम अंत में अपने दाँत पीसना शुरू कर दो। उसे उसकी जवानी में कोई आज़ादी न दो, और उसकी मूर्खताओं पर आँख मत मूंदो। जब वह जवान हो तो उसकी गर्दन झुकाओ, और जब वह बच्चा हो तो उसकी कमर पर मारो, कहीं ऐसा न हो कि वह जिद्दी हो जाए, और तुम्हारी आज्ञा न माने, और इस तरह तुम्हारे दिल को दुख पहुँचाए। अपने बेटे को ताड़ना दो, और उसे काम पर रखो, कहीं ऐसा न हो कि उसका अभद्र व्यवहार तुम्हारे लिए अपराध का कारण बने। सिराच 30:1-13

**क्योंकि बालकों**

अपने पिता और अपनी माता का आदर करना, जिस से जो देश तेरा परमेश्वर यहोवा तुझे देता है उस में तू बहुत दिन तक रहने पाए। निर्गमन 20:12 हे

मेरे पुत्र, यहोवा की ताड़ना को तुच्छ न जान, और न उसकी ताड़ना से उदास हो; क्योंकि यहोवा जिस से प्रेम करता है, उसको डांटता है; जैसे कि पिता उस बेटे को जिसे वह अधिक चाहता है। नीतिवचन 3:11-12

सुलैमान के नीतिवचन। बुद्धिमान पुत्र पिता को आनन्दित करता है, परन्तु मूर्ख पुत्र माता को दुःख देता है। नीतिवचन 10:1

अपने जन्मानेवाले की सुनना, और जब तेरी माता बूढ़ी हो जाए, तब भी उसे तुच्छ न जानना। नीतिवचन 23:22

हे बालकों, प्रभु में अपने माता-पिता के आज्ञाकारी बनो, क्योंकि यह उचित है। अपनी माता और पिता का आदर करना (यह प्रतिज्ञा सहित पहली आज्ञा है;) कि तेरा भला हो, और तू धरती पर बहुत दिन जीवित रहे। इफिसियों 6:1-3

अपने पिता का पूरे मन से आदर करना, और अपनी माता के दु:खों को न भूलना। स्मरण रखना कि तू उन्हीं से उत्पन्न हुआ है; और जो कुछ उन्होंने तेरे लिये किया है, उसका बदला तू उन्हें कैसे दे सकता है? सिराच 7:27-28

हे बालकों, अपने पिता की बात सुनो, और उसके बाद ऐसा करो, कि तुम सुरक्षित रहो। क्योंकि प्रभु ने पिता को पुत्रों से अधिक आदर दिया है, और माता को पुत्रों से अधिक अधिकार दिया है। जो अपने पिता का आदर करता है, वह अपने पापों का प्रायश्चित करता है: और जो अपनी माता का आदर करता है, वह धन संचय करनेवाले के समान है। जो अपने पिता का आदर करता है, वह अपने बच्चों से आनन्दित होगा; और जब वह प्रार्थना करेगा, तो उसकी सुनी जाएगी। जो अपने पिता का आदर करता है, वह दीर्घायु होगा; और जो प्रभु का आज्ञाकारी है, वह अपनी माता को सांत्वना देगा। जो प्रभु का भय मानता है, वह अपने पिता का आदर करेगा, और अपने माता-पिता की ऐसी सेवा करेगा, जैसे अपने स्वामियों की करता है। वचन और कर्म दोनों में अपने पिता और माता का आदर करो, कि वे तुम पर आशीष बरसाएँ। क्योंकि पिता का आशीष बच्चों के घर को दृढ़ करता है; परन्तु माता का शाप नींव को उखाड़ देता है। अपने पिता के अपमान पर घमण्ड न करो, क्योंकि तुम्हारे पिता का अपमान तुम्हारे लिये कुछ भी गौरव नहीं है। क्योंकि पिता के आदर से ही पुरुष की महिमा होती है, परन्तु माता का अनादर पुत्रों के लिए अपमान का कारण होता है। हे मेरे पुत्र, अपने पिता की वृद्धावस्था में सहायता कर, और जब तक वह जीवित रहे, तब तक उसे शोक न कर। और यदि उसकी बुद्धि काम न करे, तो उसके साथ धीरज रख, और जब तक तू अपनी पूरी शक्ति में हो, तब तक उसे तुच्छ न समझ। क्योंकि तेरे पिता का छुटकारा कभी न भुलाया जाएगा, और पापों के बदले तुझे बनाने के लिए कुछ और दिया जाएगा। तेरे विपत्ति के दिन उसे स्मरण किया जाएगा; तेरे पाप भी वैसे ही पिघल जाएंगे, जैसे सुहावने गर्म मौसम में बर्फ पिघल जाती है। जो अपने पिता को त्याग देता है, वह निन्दक के समान है; और जो अपनी माता को क्रोधित करता है, वह शापित है: परमेश्वर की ओर से। सिराच 3:1-16

अगर हम अपने बच्चों को अनुशासित करेंगे, तो वे अभी रोएँगे लेकिन भविष्य में वे आनंद लेंगे। अगर हम अपने बच्चों को अनुशासित नहीं करेंगे, तो वे अभी आनंद लेंगे लेकिन भविष्य में वे रोएँगे।

बच्चे हमारे देश का भविष्य हैं। लेकिन अगर वे बिना अनुशासन के बूढ़े हो जाएँगे, तो हमारे देश का भविष्य क्या होगा?

एक वयस्क की सभी बुरी आदतें वे हैं जिन्हें बचपन में सुधारा या अनुशासित नहीं किया गया था। हमें ऐसे बच्चों का पालन-पोषण करना है जो ईश्वर से डरते हों, उससे प्रेम करते हों और उसकी आज्ञा मानते हों।

मैंने जीवित मिट्टी का एक टुकड़ा लिया
और उसे दिन-प्रतिदिन धीरे-धीरे आकार दिया
मैं फिर से आया जब साल बीत गए थे
यह एक ऐसा आदमी था जिसे मैंने देखा था
वह अभी भी उस शुरुआती छाप को धारण करता था
और मैं उसे कभी नहीं बदल सकता था